UGC NET PAPER 3 DECEMBER 31, 2005 SHIFT 1 POLITICAL SCIENCE QUESTION PAPER

D – 0205

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

POLITICAL SCIENCE

राजनीति विज्ञान

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE : This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्न पत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है।

(5x5=25 अंक)

The problem of liberty and equality is increasingly manifesting itself in modern democracies in the issue of ***the expert versus the citizen***. As our modern industrial society becomes more complex and dependent on specialized knowledge and skills, there is the temptation to give the expert a position and an authority which are not easily compatible with the basic principles of democracy. The wresting of military control from the experts, the military, was one of the great achievements of Parliament in England, and involved the cost of a civil war. In the United States, the expert (especially the successful businessman) has held greater sway than in England, and this difference is apparent in a first glance at both countries-it pervades the structure of politics at the top (selection of ministers) as well as at the bottom (entrance examinations for the civil service).

The problem of the expert becomes particularly acute in the complex modern world, and the plain man, the charge runs, "is simply obsolete in a world he has never been trained to understand." However, the citizen cannot be relieved of his duty of judgment, after all the relevant facts have been brought to his attention. The expert can supply the citizen and ruler with the raw materials that may enter the final decision, but he cannot think for the citizen of ruler. Without utilizing the *Expertise* of the specialist, a democracy may suffer from ignorance. By allowing experts (military, bureaucratic, propagandistic, or economic) to run society, democracy may soon find itself transformed into an arrogant tyranny. Opposed to this democratic conception of the place of the expert is the idea of Frederick Engels, e.g., who expresses the typically Marxist illusion that in the classless socialist society domination of man over man would be replaced by "administration of things." In such a utopian world, when all political problems-who tells whom what to do-will be eliminated, the expert will have a field day.

Read the above passage and answer the following questions in about thirty (30) words.

<u>विशेषज्ञ बनाम नागरिक</u> के विषय में स्वतन्त्रता एवं समानता की समस्या आधुनिक लोकतन्त्रों में कुछ अधिक ही प्रकट हो रही है। क्यों कि हमारा आधुनिक औद्योगिक समाज अधिक जटिल हो गया है, इसलिए विशिष्ट ज्ञान और विशेषज्ञ पर हमारी निर्भरता बढ़ गई है। विशेषज्ञ को ऐसी हैसियत एवं सत्ता देने का प्रलोभन हो जाता है जिनका लोकतन्त्र के मूल सिद्धान्तों से संगति बैंठाना आसान नहीं है। विशेषज्ञों सेना, से सैन्य नियन्त्रण को छीन लेना

इंग्लैंण्ड में संसद की महानतम उपलब्धियों में से एक थी। इसके लिए उन्हें गृह युद्ध भी झेलना पड़ा। अमेरिका में एक विशेषज्ञ (विशेषतया एक सफल व्यापारी) इंग्लैंण्ड की तुलना में ज्यादा प्रभावशाली है। यह अन्तर इन दोनों देशों पर प्रथम दृष्टि डालने पर ही स्पष्ट हो जाता है। यह अन्तर राजनीति के उच्चतम स्तर (मंत्रियों के चयन) से लेकर निचले स्तर (सिविल सेवाओं के लिए भर्ती परीक्षा) तक परिलक्षित होता है।

आज के जटिल संसार में विशेषज्ञ की समस्या विशेषतया गंभीर हो जाती है। और कभी यह है कि एक अविशेषज्ञ व्यक्ति है 'वह उस संसार, जिसे समझने के लिए उसे प्रशिक्षित ही नहीं किया गया, के लिए अव्यवहार्य हो गया है। फिर भी, नागरिक को निर्णय के कर्त्तव्य से मुक्त नहीं किया जा सकता, आखिर सम्बन्धित तथ्य उसके ध्यान में लाये जा चुके हैं। विशेषज्ञ उस नागरिक एवं शासक को उस अपक्व सामग्री को दे सकता है जिस पर अन्तिम निर्णय लेते हुए विचार किया जा सकता है। मगर विशेषज्ञ नागरिक अथवा शासक के लिए नहीं सोच सकता। विशेषज्ञ की विशेषज्ञता का लाभ उठाये बिना लोकतन्त्र को इसकी अज्ञानता से हानि हो सकती है। विशेषज्ञों (सैन्य, नौकरशाही, प्रचारात्मक अथवा आर्थिक) द्वारा समाज के प्रचालन को आज्ञा देने से लोकतन्त्र अपने आप को अभिमानी अत्याचारी शासनतन्त्र में परिणित हुआ पायेगा। विशेषज्ञ की हैसियत से सम्बन्धित इस लोकतन्त्रीय अवधारणा के विपरीत फ्रेडरिक एंज्लस का विचार है। उनका कथन, जो विशिष्ट मार्क्सवादी भ्रम है, कि एक वर्गहीन समाजवादी समाज में एक नागरिक पर अन्य नागरिक के आधिपत्य का स्थान चीजों का प्रशासन ले लेगा ऐसे काल्पनिक संसार में जब सब राजनीतिक समस्याएं-कौन किस को बतलायेगा कि क्या किया जाए-खत्म हो जायेंगी-तब विशेषज्ञ की बात का महत्त्व होगा।

उपरोक्त पैराग्राफ पढ़कर निम्नलिखित में से, प्रत्येक प्रश्न का लगभग (30) शब्दों में उत्तर दें

1. Why is the specialist given importance in modern democracies ?

आधुनिक लोकतंत्रों में विशेषज्ञों को महत्व क्यों दिया जाता है?

2. How is the authority of the specialist opposed to democracy ?

विशेषज्ञों की सत्ता एवं लोकतंत्र में विरोधाभास कैसे है?

3. What should be the ideal relationship between the expert and the common citizen ?

सामान्य नागरिक एवं विशेषज्ञ में आदर्श सम्बन्ध कैसे होने चाहिए?

prepp Your Personal Exam Guide

4. What is arrogant tyranny ?

अभिमानी अत्याचारी शासन तंत्र क्या है ?

5. What is the Marxist solution of this problem ?

इस समस्या का मार्क्सवादी समाधान क्या है ?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है।

(5x15=75 अंक)

6. What is post-modernism ?

उत्तर-आधुनिकतावाद क्या है?

prepp Your Personal Exam Guide

7. What is imperialism ?

साम्राज्यवाद क्या है?

8. What is the concept of 'Swaraj' ?

'स्वराज' की क्या अवधारणा है?

9. Do you think that the process of political integration involves both co-operation and conflict ?

क्या आप सोचते हैं कि राजनीतिक एकीकरण की प्रक्रिया में सहयोग एवं कलह दोनों का ही समावेश होता है?

10. Examine the importance of communication function in modern political analysis.

आधुनिक राजनीतिक विश्लेषण में संप्रेषण कार्य के महत्व का परीक्षण कीजिये।

11. What is meant by 'legitimacy crisis' in political development ?

राजनीतिक विकास में वैधानिकता के संकट से क्या आशय है?

12. What is quasi-federal system ?

अर्ध संघीय व्यवस्था क्या है?

13. What do you understand by communalism ?

साम्प्रदायिकता से आपका क्या आशय है ?

14. Explain the importance of constitutional remedies ?

संवैधानिक उपचारों के महत्व के बारे में बताइये।

prepp Your Personal Exam Guide

15. What is meant by 'New Public Administration' ?

नव-लोक प्रशासन से क्या आशय है?

16. Define 'Adiministrative Culture'.

'प्रशासकीय संस्कृति को परिभाषित कीजिये

17. What is meant by Human Relations theory of organisation ?

संगठन के मानव सम्बधं सिद्धान्त से क्या आशय है?

18. What is 'domestic jurisdiction' ? Clause in the UN charter ?

संयुक्तराष्ट्र संघ के चार्टर में 'घरेलू अधिकार क्षेत्र' का प्रावधान क्या है?

19. What are the principles enunciated in the 'Panch Sheel' ?

पंचशील में वर्णित सिद्धान्तों के बारे में बतलाइये।

20. Examine the importance of the balances in the maintenance of Balance of Power.

शक्ति संतुलन को बनाए रखने में संतुलनकर्ता के महत्व का परीक्षण कीजिये।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered about two hundred (200) words. **(12x5=60 marks)**

नोट : इस खंड में बारह-बारह (12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है। **(12x5=60 अंक)**

21. "Machiavellis theory is narrowly local and narrowly dated". Comment.

"मैकियाविली के सिद्धान्त संकीर्णत: स्थानीय तथा संकीर्णत: तात्कालिक प्रकृति के हैं।" टिप्पणी कीजिये।

22. What are the agents of political socialisation ?

राजनीतिक समाजीकरण के अभिकरण क्या हैं?

23. Examine the phenomenon of regionalisation of Indian Politics.

भारतीय राजनीति के क्षेत्रीयकरण के परिदृश्य का परीक्षण कीजिये।

24. What has hindered success of Panchayati Raj even after 73rd constitutional Amendment ? Suggest some concrete measures to strengthen it.

73 वें संविधान संशोधन के पश्चात भी पंचायतीराज की सफलता में क्या बाधाँए रही हैं? इसको सशक्त बनाने के लिए कुछ ठोस उपाय बतलाइये।

25. What are the two proposals advanced recently for the expansion of permanent membership of the security council ? Which one should India accept and why ?

सुरक्षा परिषद की स्थाई सदस्य संख्या में विस्तार हेतु हाल ही में दिए गए दो प्रस्ताव क्या हैं? भारत को किसे एवं क्यों स्वीकार करना चाहिए?

Prepp Your Personal Exam Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

Your Personal Exam Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

prepp
Your Personal Exam Guide

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Analyse the reasons for decline and Resurgence of Political Theory.

राजनीतिक सिद्धान्त के पतन एवं अभ्युदय के कारणों का विश्लेषण कीजिए।

OR / अथवा

Discuss the Working of Coalition Politics in India.

भारत में गठबंधन राजनीति की कार्यप्रणाली की विवेचना करे

OR / अथवा

'Liberalization has sent a new dimension to meaning and contents of Public Administration in contemporary times'. Comment.

''वर्तमान युग में उदारीकरण ने लोकप्रशासन के अर्थ एवं विषय वस्तु को एक नया आयाम दिया है ''टिप्पणी करे''।

OR / अथवा

Write a note on the challenges to the Nation-State system in contemporary world.

समकालीन विश्व में राष्ट्र-राज्य व्यवस्था के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों पर लेख लिखिये।

prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exam Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

FOR OFFICE USE ONLY

Marks Obtained

Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....